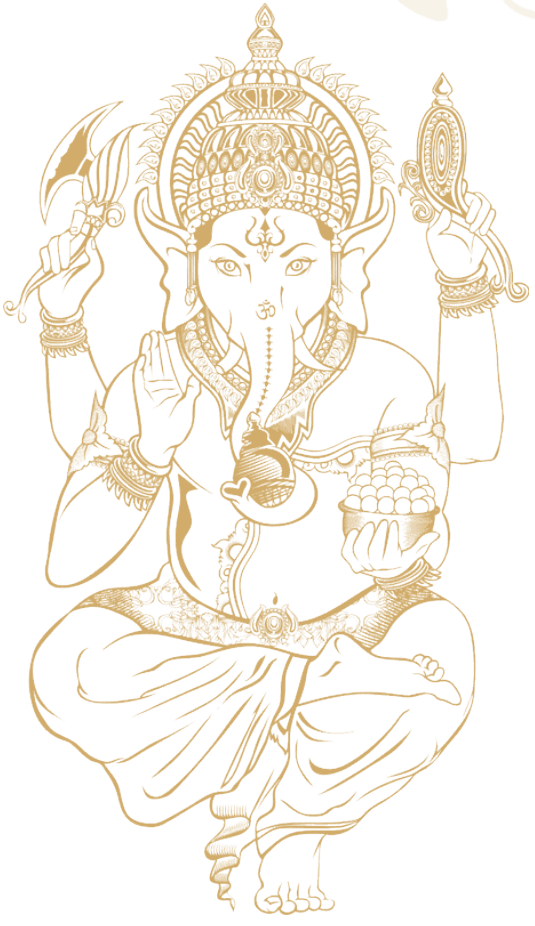

Mr. Sunny Agarwal

Ms.Swati Goyal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119108102

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
23/12/1984	जन्म तिथि	02/01/1988
रविवार	दिन	शनिवार
घंटे 19:18:00	जन्म समय	21:15:00 घंटे
घटी 30:39:06	जन्म समय(घटी)	35:23:13 घटी
India	देश	India
Kichcha	स्थान	Roorkee
28:54:00 उत्तर	अक्षांश	29:52:00 उत्तर
79:30:00 पूर्व	रेखांश	77:53:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:12:00	स्थानिक संस्कार	-00:18:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:02:21	सूर्योदय	07:14:21
17:20:03	सूर्यास्त	17:30:06
23:38:36	चित्रपक्षीय अयनांश	23:41:23

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 7वर्ष 0मा 22दि	04:54:12	कर्क	लग्न	सिंह	06:31:12	मंगल 2वर्ष 5मा 23दि
राहु	08:17:07	धनु	सूर्य	धनु	17:46:23	शनि
16/01/2015	21:57:30	धनु	चंद्र	मिथु	01:56:32	26/06/2024
15/01/2033	05:03:22	कुंभ	मंगल	वृश्चि	02:20:02	27/06/2043
राहु 28/09/2017	20:57:39	वृश्चि व	बुध	धनु	23:51:20	शनि 30/06/2027
गुरु 21/02/2020	25:52:26	धनु	गुरु	मीन	26:38:34	बुध 09/03/2030
शनि 28/12/2022	23:08:40	मक	शुक्र	मक	20:21:32	केतु 18/04/2031
बुध 17/07/2025	00:15:10	वृश्चि	शनि	धनु	01:58:00	शुक्र 17/06/2034
केतु 04/08/2026	03:25:33	वृष व	राहु व	मीन	02:39:37	सूर्य 30/05/2035
शुक्र 04/08/2029	03:25:33	वृश्चि व	केतु व	कन्या	02:39:37	चन्द्र 29/12/2036
सूर्य 29/06/2030	21:13:55	वृश्चि	हर्ष	धनु	04:04:18	मंगल 06/02/2038
चन्द्र 29/12/2031	07:31:25	धनु	नेप	धनु	14:09:32	राहु 13/12/2040
मंगल 15/01/2033	10:31:17	तुला	प्लूटो	तुला	18:21:00	गुरु 27/06/2043

लग्न-चलित

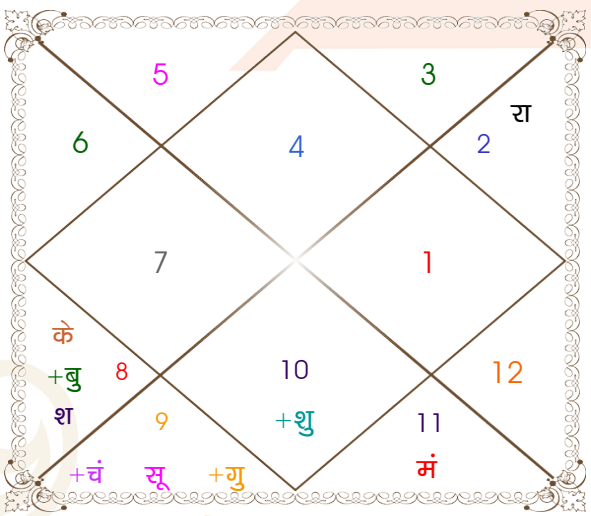

लग्न-चलित

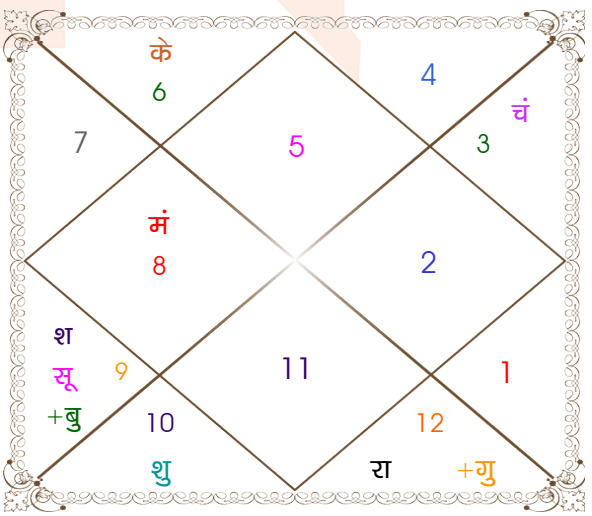

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms.Swati Goyal का नक्षत्र मृगशिरा है।

डतण्ैनददल ।हंतूंस का वर्ग मूषक है तथा Ms.Swati Goyal का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गो में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ैनददल ।हंतूंस और Ms.Swati Goyal का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्ैनददल ।हंतूंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल डतण्ैनददल ।हंतूंस कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.Swati Goyal मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.Swati Goyal कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः

मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.Swati Goyal कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms.Swati Goyal कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डतण्ैनददल ।हंतूंस कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्ैनददल ।हंतूंस तथा Ms.Swati Goyal में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।